International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

बस्ती जनपद में शैक्षिक सुविधाओं का स्थानिक प्रतिरूप

राजेन्द्र प्रताप चौधरी, शोध छात्र

बुद्ध पी0जी0 कालेज, कुशीनगर

भूमिका –

शिक्षा राष्ट्र विकास का आधार स्तम्भ है। किसी भी देश और समाज की उन्नति तथा विकास उस देश के नागरिकों की शिक्षा पर निर्भर है। भारत के गाँवों के विकास में भी शिक्षा ने काफी महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। शिक्षा न केवल लोगों में नई सोच एवं दिशा प्रदान करने में भी सराहनीय योगदान दे रही है, जिससे ग्रामीण परिवारों का जीवन स्तर पहले की अपेक्षा बेहतर हुआ है। यूँ तो भारत में साक्षरता एवं विशेषकर वयस्क साक्षरता आजादी के बाद से ही एक राष्ट्रीय प्राथमिकता रही है। देश में निरक्षरता दूर करने हेतु भारत सरकार ने 1988 में राष्ट्रीय साक्षरता मिशन शुरु किया। 2001 में सर्व शिक्षा अभियान शुरु करके प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमिकरण की एक बड़ी पहल की गई। शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 जो कि अप्रैल, 2010 से लागू हुआ। देश में 06 से 14 वर्ष के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा का मौलिक अधिकार देता है, तथा सभी प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालयों में आवश्यक न्यूनतम शर्तों के पालन की भी बात करता है।

अध्ययन क्षेत्र

बस्ती जनपद घाघरा और आमी नदियों के मध्य स्थित उत्तर प्रदेश, उत्तर–पूर्वी भाग का जिला है। जनपद $26^0$23′ तथा $27^0$30′ उत्तरो अक्षांश और $82^0$17′ तथा $83^0$20′ पूर्वी देशान्तर के मध्य स्थित है। जनपद के उत्तर में सिद्धार्थनगर, पूरब में संतकबीर नगर, पश्चिम में गोण्डा तथा दक्षिण में फैजाबाद एवं अम्बेडकर नगर स्थित है। समुद्र तल से ऊँचाई 91 मीटर है। प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के पश्चात् गोरखपुर से काटकर 6 मई 1865 में बस्ती को जनपद बनाया गया। जनपद का भौगोलिक क्षेत्रफल 2938 वर्ग किमी0 है। जिले के उत्तर से दक्षिण लम्बाई 70 किमी0 और पश्चिम से पूरब की चौड़ाई 55 किमी0 है। बस्ती जनपद का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल उत्तर प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 1.12 प्रतिशत है। वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार जनपद की कुल जनसंख्या 2463939 है। वर्तमान समय में बस्ती जनपद में चार तहसीले एवं 14 विकासखण्ड है। जनपद में कुल 139 न्यायपंचायत तथा 1247 ग्राम पंचायतें है।

विधितंत्र एवं उद्देश्य

यह शोध पत्र मुख्य रूप से द्वितीयक आँकड़ों पर आधारित है। आँकड़े जनपद की सांख्यिकीय पत्रिका से प्राप्त किये गये हैं। प्राप्त आँकड़ों का विश्लेषण एवं ग्राफ का निर्माण कम्प्यूटर की सहायता से किया गया है। ग्रामीण विकास में शैक्षिक सुविधाओं का अध्ययन करना।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

प्राथमिक विद्यालय :

तालिका संख्या–1
बस्ती जनपद : प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या (2005–2020)

क्र0सं0	विकासखण्ड	प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों पर की संख्या		वृद्धि (प्रति□ात में)
		2005	2020	
1	विक्रमजोत	83.26	84.17	1.09
2	कुदरहा	82.70	83.68	1.18
3	बहादुरपुर	81.40	82.67	1.56
4	हर्रैया	78.42	82.42	5.10
5	गौर	73.21	73.59	0.51
6	बनकटी	72.96	77.83	6.67
7	रुधौली	68.84	69.48	0.92
8	सल्टौआ–गोपालपुर	68.48	68.72	0.35
9	परसरामपुर	68.19	71.16	4.35
10.	सांऊघाट	66.86	75.22	12.50
11	दुबौलिया	65.70	68.90	4.87
12	बस्ती–सदर	62.35	63.70	2.16
13	रामनगर	61.55	62.79	2.01
14	कप्तानगंज	56.71	77.42	36.51
योग	14	72.96	75.02	2.82

स्रोत : जिला सांख्यकीय पत्रिका, बस्ती जनपद

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

***International Journal of Economic Perspectives*,17(03) 328-339 UGC CARE II**

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

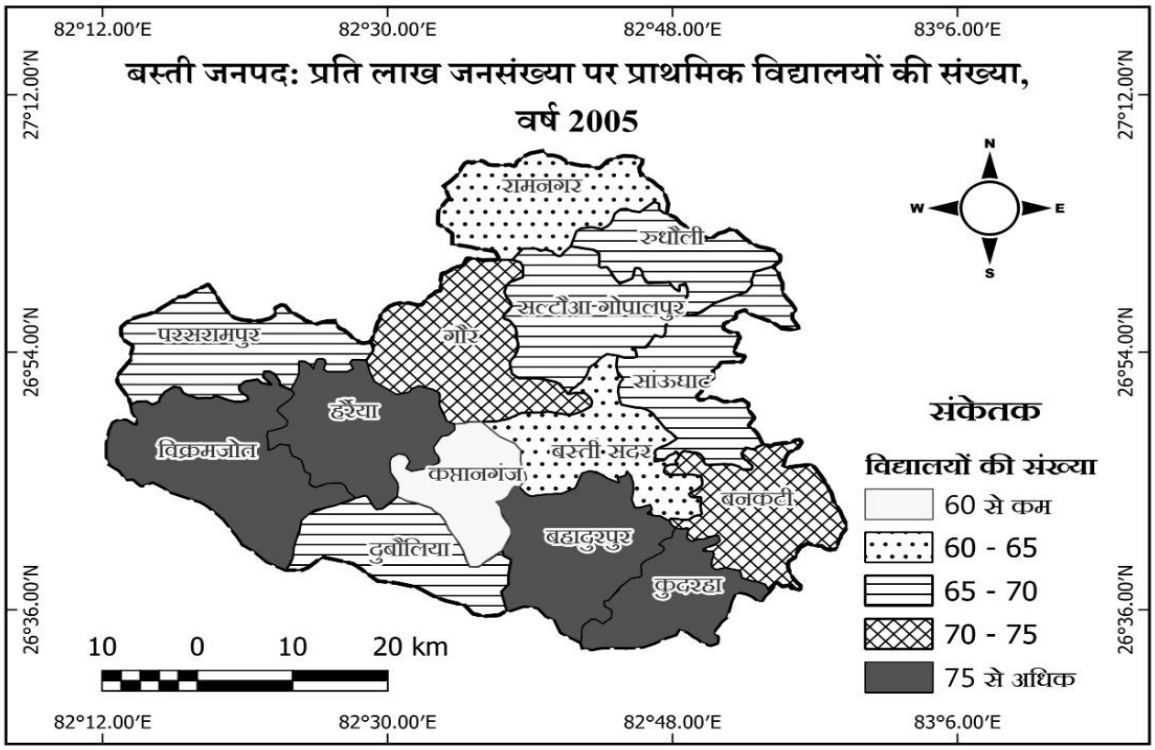

मानचित्र–01

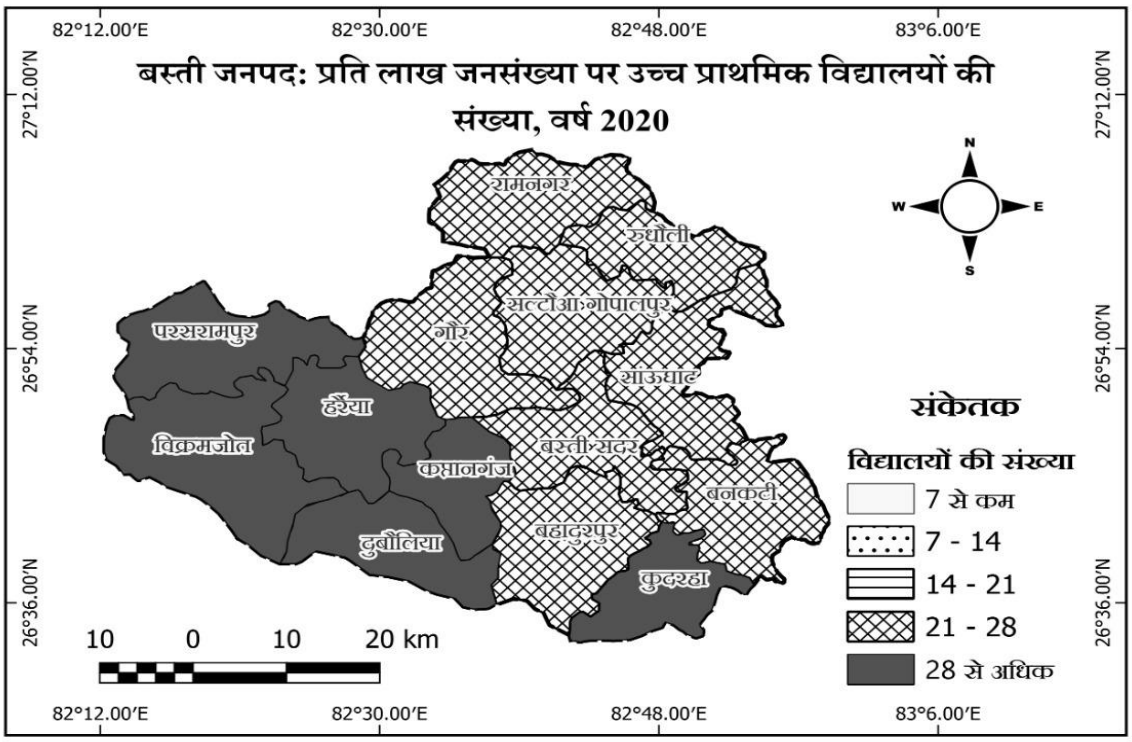

मानचित्र–02

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

***Corresponding author*:** राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

तालिका–2

बस्ती जनपद : प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या (2005–2020)

श्रेणी	संख्या	विकासखण्डों की संख्या	
		2005	2020
अति उच्च	> 75	4	7
उच्च	70-75	2	2
मध्यम	65-70	5	3
निम्न	60-65	2	2
अति निम्न	<60	1	-
योग	-	14	14

स्रोत : शोध छात्र द्वारा परिगणित।

तालिका संख्या–01 के अनुशीलन से स्पष्ट है कि शोध क्षेत्र बस्ती जनपद में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या औसत संख्या 2005 में 72.96 थी, जो बढ़कर 2020 में 75.02 हो गई है। अतः स्पष्ट है कि 2005 से 2020 के मध्य प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या में 2.82 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की सर्वाधिक संख्या 2005 में विकासखण्ड विक्रमजोत में तथा न्यूनतम संख्या विकासखण्ड कप्तानगंज में दर्ज है। जबकि 2020 में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की सर्वाधिक संख्या विकासखण्ड विक्रमजोत में तथा न्यूनतम संख्या विकासखण्ड रामनगर में दर्ज की गई है। तालिका संख्या के अनुसार 2005 में केवल छः विकासखण्डों में प्रतिलाख के अनुसार 2005 में केवल छः विकासखण्डों में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या औसत (72.96) से अधिक था, शेष आठ विकासखण्डों में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 56.71 से 68.84 के मध्य था। जबकि 2020 में सात विकासखण्डों में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या औसत (75.02) से अधिक पाया गया है, शेष सात विकासखण्डों में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 62.79 से 73.59 के मध्य है।

शोध क्षेत्र में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या का विकासखण्डवार वितरण को निम्न पाँच श्रेणियों में विभक्त कर प्रदर्शित किया गया है जो तालिका संख्या तथा मानचित्र से स्पष्ट है।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

अति उच्च श्रेणी के अन्तर्गत 2005 में सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या चार (विक्रमजोत, कुदरहा, बहादुरपुर, हर्रैया) या जबकि 2020 में इस श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या सात (विक्रमजोत, कुदरहा, बहादुरपुर, हर्रैया, बनकटी, कप्तानगंज व सांऊघाट) है। उच्च श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की 2005 में संख्या 2 (गौर व बनकटी) था, जबकि 2020 में उच्च श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या दो (परसरामपुर व गौर) है। मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या 2005 में पाँच (रुधौती, सल्टौआ–गोपालपुर, परसरामपुर सांऊघाट व दुबौलिया) था, जबकि 2020 में मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या तीन (रुधौली, सल्टौआ–गोपालपुर व दुबौलिया) है। निम्न श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या 2005 में दो (बस्ती–सदर व रामनगर) था, जबकि 2020 में निम्न श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या दो (बस्ती सदर व रामनगर) है। अति निम्न श्रेणी के अन्तर्गत सम्मिलित विकासखण्डों की संख्या 2005 में एक (कप्तानगंज) था, जबकि 2020 में इस श्रेणी के अन्तर्गत कोई विकासखण्ड सम्मिलित नहीं है।

मानचित्र संख्या–01 और 02 से स्पष्ट है कि शोध क्षेत्र दक्षिण–पश्चिमी भाग में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या अधिक है। वहीं शोध क्षेत्र के मध्यवर्ती तथा उत्तर–पश्चिमी भाग में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या अपेक्षाकृत न्यून है। इस तरह शोध क्षेत्र में प्रतिलाख जनसंख्या पर प्राथमिक विद्यालयों की संख्या के वितरण में विकासखण्ड असमानता देखने को मिलती है। जिसका प्रमुख कारण जनसंख्या के वितरण में असमानता, बढ़ती हुई जनसंख्या की तुलना में प्राथमिक विद्यालयों की संख्या में वृद्धि न होना, शैक्षिक कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में विषमता तथा भौगोलिक कारक मुख्य है।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

उच्च प्राथमिक विद्यालय :

तालिका संख्या– 3

बस्ती जनपद : प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या (2005–2020)

क्र0सं0	विकासखण्ड	प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या		वृद्धि (प्रति□ात में)
		2005	2020	
1	सांऊघाट	8.62	26.29	204.98
2	विक्रमजोत	8.41	33.99	304.16
3	बस्ती सदर	7.85	22.08	181.27
4	बहादुरपुर	6.95	23.30	235.25
5	गौर	6.44	26.49	311.33
6	परसरामपुर	5.79	30.57	427.97
7	दुबौलिया	5.23	31.07	494.07
8	बनकटी	5.12	25.01	388.47
9	कप्तानगंज	5.15	34.31	522.46
10.	हर्रैया	4.94	30.75	560.63
11	सल्टौआ–गोपालपुर	3.76	24.84	505.15
12	रामनगर	3.49	21.12	703.54
13	रुधौली	3.10	24.91	566.21
14	कुदरहा	2.55	31.47	1134.11
योग	14	5.61	27.12	383.42

स्रोत : जिला सांख्यकीय पत्रिका, बस्ती जनपद

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

मानचित्र–03

मानचित्र–04

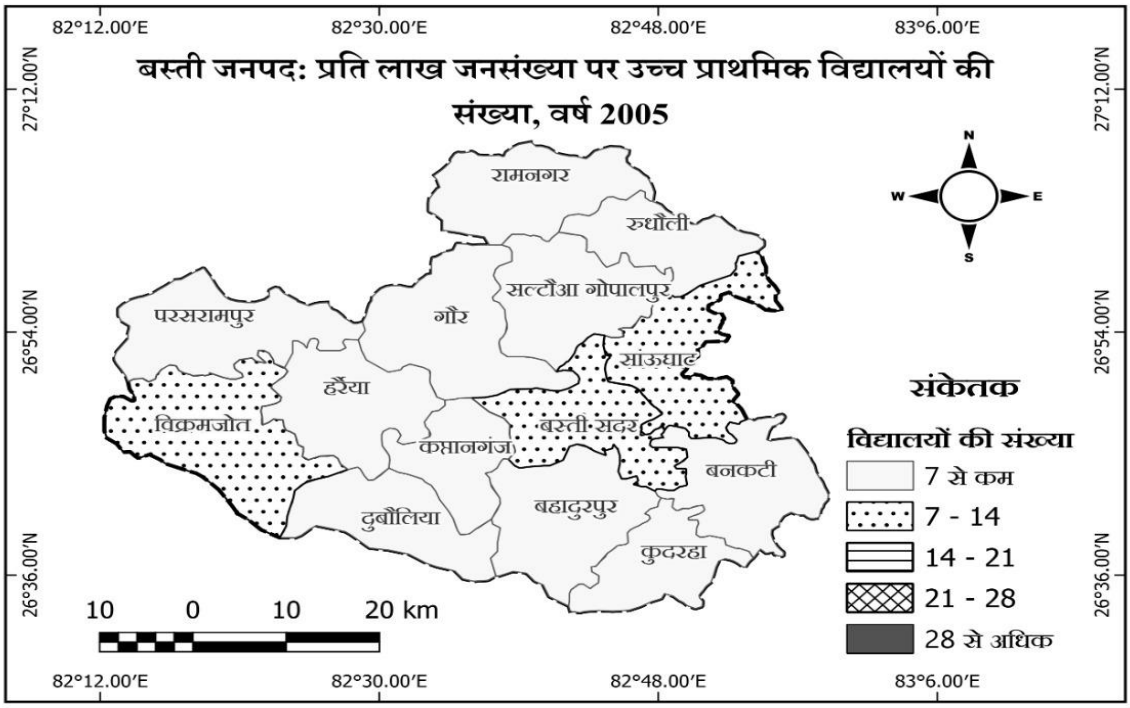

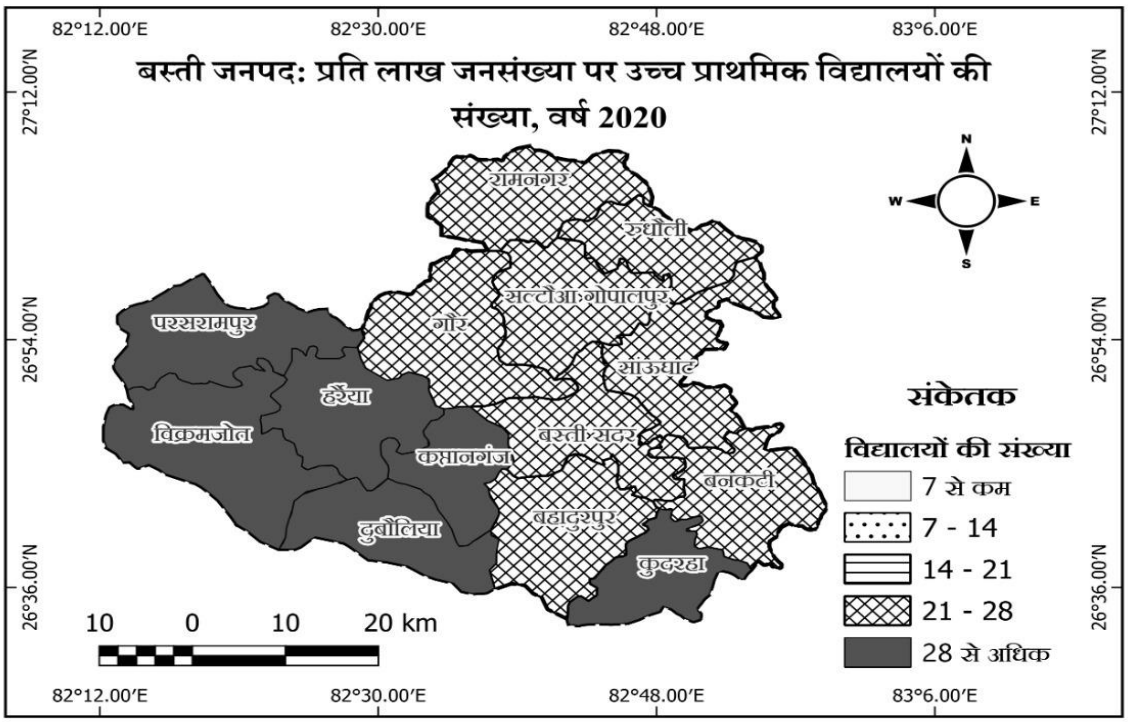

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

तालिका संख्या–4
बस्ती जनपद : प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या (2005–2020)

श्रेणी	संख्या	विकासखण्डों की संख्या	
		2005	2020
अति उच्च	> 28	-	6
उच्च	21-28	-	8
मध्यम	14-21	-	-
निम्न	7-14	3	-
अति निम्न	<7	11	-
योग	-	14	14

स्रोत : भाोध छात्र द्वारा परिगणित।

तालिका संख्या–04 से स्पष्ट है कि शोध क्षेत्र में प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों का औसत 2005 में 5.61 था, जो बढ़कर 2020 में 27.12 हो गया है। अतः स्पष्ट है कि 2005 से 2020 के मध्य प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या में 383.42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की 2005 में सर्वाधिक संख्या विकासखण्ड सांऊघाट में तथा न्यूनतम संख्या विकासखण्ड कुदरहा में रहा है। जबकि 2020 में सर्वाधिक संख्या विकासखण्ड कप्तानगंज में तथा न्यूनतम संख्या विकासखण्ड रामनगर में है। तालिका संख्या के अनुसार 2005 में पाँच विकासखण्डों में प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या औसत (5.61) से अधिक रहा। शेष सभी विकासखण्डों में उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या 2.55 से 5.23 के मध्य था। जबकि 2020 में छः विकासखण्डों में प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या औसत (27.12) से अधिक पाया गया है, शेष सभी विकासखण्डों में उच्च प्राथमिसक विद्यालयों की संख्या 21.12 से 26.49 के मध्य है।

शोध क्षेत्र में 2005 से 2020 के मध्य प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों का विकासखण्डवार वितरण की पाँच श्रेणियों में विभक्त कर प्रदर्शित किया गया है। जो तालिका संख्या तथा मानचित्र से स्पष्ट है। अति उच्च श्रेणी के अन्तर्गत 2005 में कोर्ट विकासखण्ड शामिल नहीं है, जबकि 2020 में अति उच्च श्रेणी के अन्तर्गत 06 विकासखण्ड/कप्तानगंज, विक्रमजोत, कुदरहा, दुबौलिया हर्रैया एवं परसरामपुर) शामिल है। उच्च श्रेणी के अन्तर्गत 2005 में कोई भी विकासखण्ड शामिल नहीं है, जबकि 2020 में आठ विकासखण्ड (गौर, सांऊघाट, बनकटी, सल्टौआ–गोपालपुर, रुधौली, बहादुरपुर, बस्ती सदर एवं रामनगर) शामिल है। मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत 2005 तथा 2020 में कोई भी विकासखण्ड शामिल नहीं है।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

2005 में निम्न श्रेणी के अन्तर्गत तीन विकासखण्ड (सांऊघाट, विक्रमजोत, बस्ती सदर) तथा अति निम्न श्रेणी के अन्तर्गत ग्यारह विकासखण्ड (बहादुरपुर, गौर, परसरामपुर, दुबौलिया, रामनगर, रुधौली एवं कुदरहा) शामिल है। जबकि 2020 मे उपर्युक्त दोनों श्रेणियों के अन्तर्गत कोई भी विकासखण्ड शामिल नहीं है। इस प्रकार स्पष्ट है कि शोध क्षेत्र में उच्च प्राथमिक विद्यालयों का विकासखण्डवार वितरण प्रतिरुप में काफी असमानता व्याप्त है। मानचित्र संख्या के अनुसार 2005 में शोध क्षेत्र के मध्य पूर्वी (सांऊघाट) तथा दक्षिण पश्चिमी (विक्रमजोत) भागों में उच्च प्राथमिक विद्यालयों का वितरण सघन है तथा दक्षिण–पूर्वी भाग में उच्च प्राथमिक विद्यालयों की सघनता सबसे कम है। जबकि मानचित्र के अनुसार 2020 में शोध क्षेत्र के मध्यवर्ती भाग में उच्च प्राथमिक विद्यालयों की सघनता सबसे अधिक है तथा उत्तर–पश्चिमी भाग में सघनता सबसे कम है। शोध क्षेत्र में उच्च प्राथमिक विद्यालयों के विकासखण्डवार वितरण प्रतिरुप में व्याप्त असमानता का मुख्य कारण जनसंख्या के घनत्व के वितरण में असमानता तथा अन्य राजनैतिक एवं भौगोलिक परिस्थितियाँ उत्तरदायी है।

तालिका संख्या–5

बस्ती जनपद : प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या (2005–2020)

क्र0सं0	विकासखण्ड	प्रतिलाख जनसंख्या पर उच्च प्राथमिक विद्यालयों की संख्या	
		2005	2020
1	विक्रमजोत	6.70	14.30
2	गौर	5.50	16.20
3	सांऊघाट	5.00	14.70
4	परसरामपुर	4.50	11.10
5	बनकटी	4.50	25.70
6	कप्तानगंज	4.40	25.50
7	बहादुरपुर	4.20	13.40
8	बस्ती सदर	3.0	14.20
9	दुबौलिया	3.70	14.20
10.	सल्टौआ–गोपालपुर	3.10	9.80
11	हर्रैया	2.80	16.60
12	रामनगर	2.70	13.90
13	रुधौली	2.30	21.00
14	कुदरहा	1.70	13.80
योग	14	3.90	16.09

स्रोत : जिला सांख्यकीय पत्रिका, बस्ती जनपद

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

तालिका संख्या–6

बस्ती जनपद : प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या (2005–2020)

श्रेणी	संख्या	विकासखण्डों की संख्या	
		2005	2020
अति उच्च	> 20	-	3
उच्च	15-20	-	3
मध्यम	10-15	-	3
निम्न	5-10	3	1
अति निम्न	<5	11	-
योग	-	14	14

स्रोत : भाोध छात्र द्वारा परिगणित।

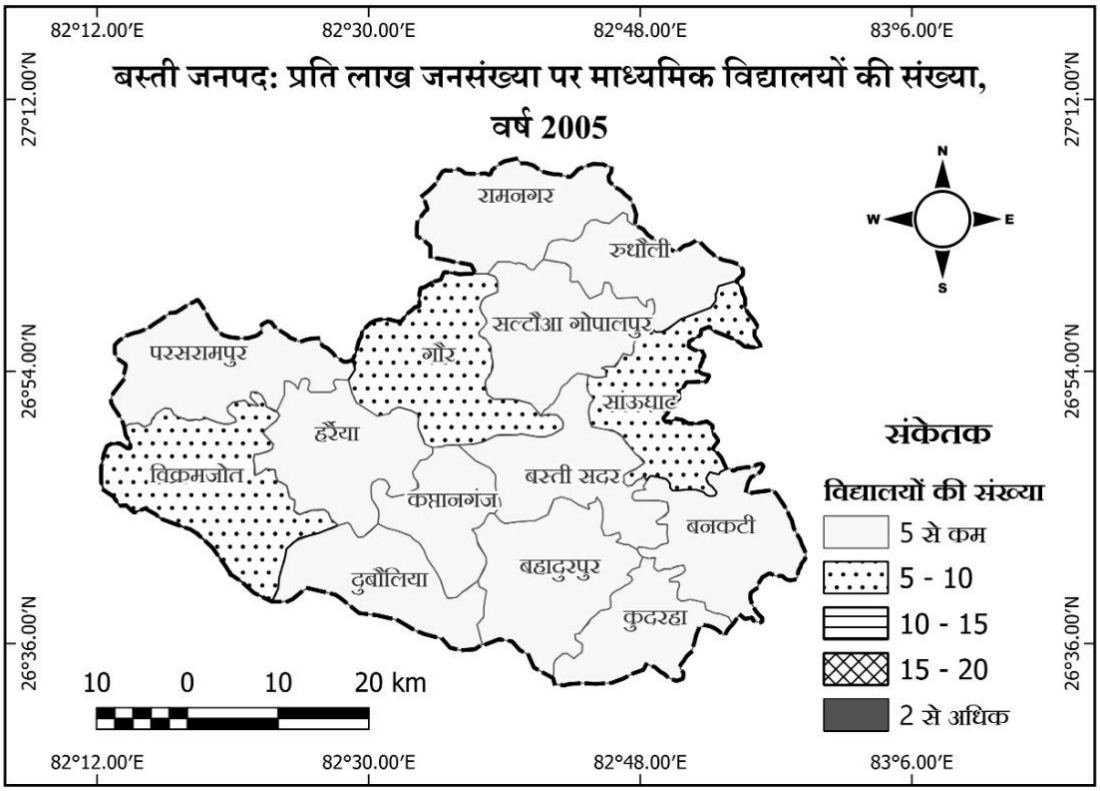

मानचित्र–05

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

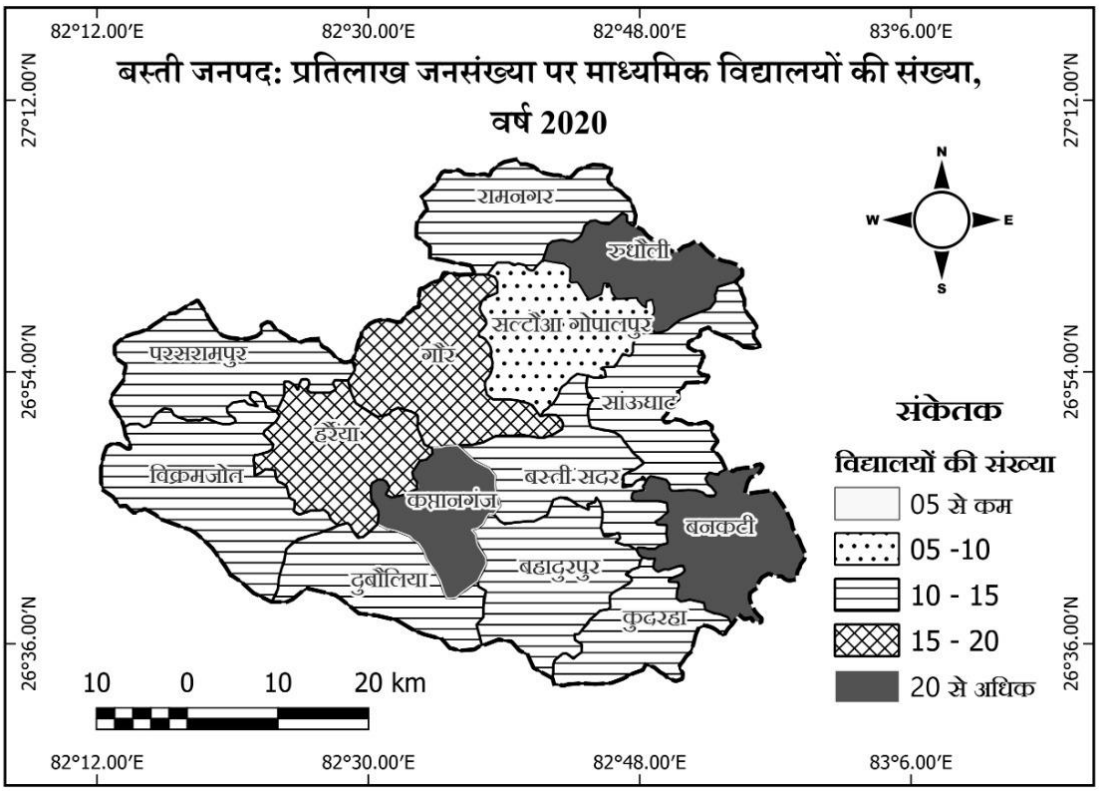

मानचित्र–06

तालिका संख्या–05 के अनुशीलन से स्पष्ट है कि शोध क्षेत्र में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या का औसत 2005 में 3.90 थी, जो बढकर 2020 में 16.09 हो गई। इस प्रकार 15 वर्षों में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या में 75.86 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। शोध क्षेत्र में 2005 में प्रतिलाख जनसंख्या पर सर्वाधिक माध्यमिक विद्यालयों की संख्या विकासखण्ड कुदरहा (1. 70) में भी जबकि 2020 में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की सर्वाधिक संख्या विकासखण्ड बनकटी (25.70) तथा न्यूनतम संख्या विकासखण्ड सल्टौआ–गोपालपुर (9.80) में है। 2005 में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या सात विकाासखण्डों में औसत (3.90) से अधिक था, शेष सात विकासखण्डों में 1.70 से 3.70 के मध्य था। 2020 में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या पाँच विकासखण्डों में औसत (16.16) से अधिक है, शेष सभी विकासखण्डों में 9.80 से 15.30 के मध्य है।

शोध क्षेत्र में 2005 तथा 2020 में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या के संकतों को विकासखण्डवार पाँच श्रेणियों में विभक्त कर प्रदर्शित किया गया है। जो तालिका तथा मानचित्र से स्पष्ट है। अति उच्च श्रेणी के अन्तर्गत 2005 में कोई विकासखण्ड शामिल नहीं है। जबकि 2020 में अति उच्च श्रेणी के अन्तर्गत शामिल विकासखण्डों में बनकटी, कप्तानगंज और रुधौली है। उच्च श्रेणी के

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: राजेन्द्र प्रताप चौधरी

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023

International Journal of Economic Perspectives,*17*(03) 328-339 UGC CARE II

Retrieved from https://ijeponline.com/index.php/journal

अन्तर्गत 2005 में कोई भी विकासखण्ड शामिल नहीं है, जबकि 2020 में उच्च श्रेणी के अन्तर्गत शामिल विकासखण्डों में हर्रैया, गौर तथा दुबौलिया है। मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत भी 2005 में कोई विकासखण्ड शामिल नहीं है, जबकि 2020 में मध्यम श्रेणी के अन्तर्गत शामिल विकासखण्डों में सांऊघाट, विक्रमजोत, बस्ती सदर, रामनगर, कुदरहा, बहादुरपुर तथा परसरामपुर है। निम्न श्रेणी के अन्तर्गत 2005 में शामिल विकासखण्ड परसरामपुर, बनकटी, कप्तानगंज, बहादुरपुर, बस्ती सदर, दुबौलिया, सल्टौआ–गोपालपुर, हर्रैया, रामनगर रुधौली व कुदरहा है। जबकि 2020 में इस श्रेणी के अन्तर्गत कोई भी विकासखण्ड शामिल नहीं है। अतः स्पष्ट है कि शोध क्षेत्र बस्ती के विकासखण्डवार वितरण प्रतिरूप में असमानता देखने को मिलता है। 2005 में जहाँ शोध क्षेत्र के दक्षिण–पश्चिमी भाग तथा 2020 में शोध क्षेत्र के दक्षिण–पूर्वी तथा मध्यवर्ती भाग में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की सघनता अपेक्षाकृत अधिक है, वहीं 2005 में शोध क्षेत्र के दक्षिण–पूर्वी भाग तथा 2020 में शोध क्षेत्र के उत्तरी–मध्य भाग में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की सघनता सबसे कम है। शोध क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालयों के विकासखण्डवार वितरण प्रतिरूप में व्याप्त असमानता का मुख्य कारण जनसंख्या के वितरण में असमानता, विद्यालयों की स्थापना में शैक्षिक योजनाओं के क्रियान्वयन में विषमता, राजनैतिक इच्छा शक्ति का अभाव तथा भौगोलिक स्थिति भी महत्वपूर्ण है।

उपर्युक्त विश्लेषण से स्पष्ट है कि 2005 से 2020 के मध्य शोध क्षेत्र में प्रतिलाख जनसंख्या पर माध्यमिक विद्यालयों की संख्या में बहुत वृद्धि दर्ज हुई है। इसका मुख्य कारण शोध क्षेत्र में सर्वशिक्षा अभियान। वर्तमान समग्र शिक्षा अभियान कार्यक्रम का क्रियान्वयन है लेकिन दूसरी ओर शोध क्षेत्र में माध्यमिक विद्यालयों की संख्या वृद्धि में विकासखण्डवार असमानता देखने को मिलती है इसका मुख्य कारण योजनाओं के क्रियान्वयन में राजनैतिक हस्तक्षेप तथा सरकारी नीतियाँ मुख्य है।

सन्दर्भ सूची

1. गुप्ता, रीना (2015) : ''संतकबीर नगर जनपद में अवस्थापनात्मक तत्व एवं ग्रामीण विकास'' शोध प्रबन्ध (दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर)।
2. सोनकर, विशाल (2015) : ''बाराबंकी जनपद में ग्रामीण विकास कार्यक्रमों का मूल्यांकन'', शोध प्रबन्ध (दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर)।
3. देसाई, ए0आर0 (2018) : ''भारतीय ग्रामीण–समाजशास्त्र''।
4. शर्मा, रेखा (2012) : ''ग्रामीण विकास एवं नियोजन''।
5. पाठक, राजीव (2012) : ''भारत में ग्रामीण विकास यथार्थ और चुनौतियाँ''।
6. सिंह, कटार (2011) : ''ग्रामीण विकास सिद्धान्त, नीतियाँ एवं प्रबन्ध''।

© 2023 by The Author(s). ISSN: 1307-1637 International journal of economic perspectives is licensed under a Creative Commons Attribution 4.0 International License.

Corresponding author: **राजेन्द्र प्रताप चौधरी**

Submitted: 27 Jan 2023, Revised: 09 Feb 2023, Accepted: 18 Feb 2023, Published: March 2023